The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-3, Issue-3, October-2024
www.theresearchdialogue.com

राजस्थान राज्य में शैक्षिक क्षेत्र में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं की प्रासंगिकता

गजेन्द्र सिंह जोरावत
शोधार्थी, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान

प्रो0 मीना सिरोला
प्रोफेसर, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान

सार:

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास की आधारशिला होती है। एक विकसित एवं समावेशी समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। भारत के विभिन्न राज्यों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा शिक्षा को सभी वर्गों तक पहुँचाने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। राजस्थान राज्य सरकार ने भी शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से कई फ्लैगशिप योजनाएँ लागू की हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करना, शिक्षा में नामांकन बढ़ाना, बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा ड्रॉपआउट दर कम करना है। फ्लैगशिप योजनाएँ शिक्षा क्षेत्र में विशेष महत्त्व रखती हैं, क्योंकि ये छात्र-छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता तथा शैक्षिक एवं व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देती हैं। इस लेख में राजस्थान की शैक्षिक योजनाओं को प्रस्तुत किया गया है। विशेष रूप से पन्नाधाय बाल गोपाल योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना, स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना तथा महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय योजना के क्रियान्वयन और प्रासंगिकता पर विचार किया गया है। शैक्षिक संस्थानों में ये योजनाएँ छात्र-छात्राओं के शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करने और उनकी व्यावसायिक क्षमताओं को सुधारने के उद्देश्य से लागू की जाती हैं। इस लेख का उद्देश्य विद्यार्थियों को इन योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, बालिकाओं तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को इन योजनाओं से लाभ प्राप्त हुआ है। प्रस्तुत लेख में राजस्थान की प्रमुख शैक्षिक योजनाओं तथा वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता का विश्लेषण किया गया है।

कुंजी शब्द: *पन्नाधाय बाल गोपाल योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना, स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना, महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय योजना।*

प्रस्तावना:

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास का साधन भी है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों की शिक्षा पर निर्भर करती है। आधुनिक युग में शिक्षा को मानव संसाधन विकास का सबसे प्रभावी उपकरण माना जाता है। शिक्षा मनुष्य में ज्ञान का प्रसार करती है और उसकी बुद्धि को विकसित, परिष्कृत एवं परिमार्जित करती है। यह प्रत्येक मनुष्य को उसके अधिकारों एवं कर्तव्यों का ज्ञान कराती है तथा उसकी आंतरिक और बाह्य शक्तियों का विकास करती है। शिक्षा मनुष्य को स्वावलंबी बनाती है और उसमें व्यक्तिगत एवं पारिवारिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। इस संसार में मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है, जिसने सभ्यता और संस्कार के मार्ग पर चलते हुए स्वयं को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध किया है। शिक्षा का उद्देश्य केवल शिक्षित होना या रोजगार प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक योगदान देना भी है।

भारत सरकार द्वारा शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक कार्य किए गए हैं तथा समय-समय पर अनेक आयोगों और योजनाओं का गठन एवं क्रियान्वयन किया गया है। इनमें सर्व शिक्षा अभियान (2001), कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (2004), समग्र शिक्षा अभियान (2018) तथा सहकार मित्र योजना (2020) सम्मिलित हैं।

राजस्थान राज्य ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण राज्य है। परंतु लंबे समय तक यहाँ शिक्षा का स्तर अपेक्षाकृत निम्न रहा। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, जनजातीय क्षेत्रों तथा बालिका शिक्षा की स्थिति चिंताजनक थी। निर्धनता, सामाजिक रूढ़ियाँ, संसाधनों की कमी तथा विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के अभाव ने शिक्षा के विकास को प्रभावित किया। राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के विकास के लिए विभिन्न योजनाएँ प्रारंभ की गईं, जैसे—बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना (2022), मुख्यमंत्री शुभलक्ष्मी योजना (2022), राजस्थान तारबंदी योजना (2023) और राजस्थान ई-सखी योजना (2023)। राजस्थान सरकार द्वारा समय-समय पर शैक्षिक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, आर्थिक तथा स्वास्थ्य क्षेत्रों से संबंधित अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा राजस्थान में अनेक फ्लैगशिप योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

फ्लैगशिप योजना: फ्लैगशिप योजनाएँ वे योजनाएँ हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, पर्यावरण, रोजगार, शहरी एवं ग्रामीण विकास तथा अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करती हैं।

फ्लैगशिप योजनाओं से आशय सरकार की उच्च प्राथमिकता वाली उन योजनाओं से है, जो लोगों के जीवन-स्तर में सुधार का प्रमुख साधन होती हैं। शिक्षा क्षेत्र में संचालित प्रमुख योजनाएँ निम्नलिखित हैं—पन्नाधाय बाल गोपाल योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना, स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना एवं महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय योजना। इस लेख के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

उद्देश्य:

1. राजस्थान राज्य में शैक्षिक क्षेत्र में संचालित शैक्षिक योजनाओं को जानना।

2. राजस्थान राज्य में शैक्षिक क्षेत्र में संचालित शैक्षिक योजनाओं की प्रासंगिकता का विश्लेषण करना।

1- राजस्थान राज्य में शैक्षिक क्षेत्र में संचालित शैक्षिक योजनाओं को जानना।

(क) पन्नाधाय बाल गोपाल योजना

मुख्यमंत्री द्वारा नवंबर 2022 में मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना की शुरुआत की गई। इस योजना के अंतर्गत राज्य के विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले बच्चों को सप्ताह में 6 दिन पौष्टिक दूध प्रदान किया जाता है। योजना के तहत कक्षा 5 तक के बच्चों को 15 ग्राम दूध पाउडर से तैयार 150 मिलीलीटर दूध तथा कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को 20 ग्राम दूध पाउडर से तैयार 200 मिलीलीटर दूध पिलाया जाता है। दूध पाउडर से तैयार दूध 29 नवंबर 2022 से उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त दूध पाउडर की विद्यालयों तक डोर-स्टेप आपूर्ति राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड द्वारा की गई है।

इस योजना से विद्यालयों में नामांकन और उपस्थिति में वृद्धि होगी तथा ड्रॉपआउट रोकने में सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों के पोषण स्तर में वृद्धि होगी और आवश्यक मैक्रो एवं माइक्रो न्यूट्रिएंट्स की पूर्ति होगी।

(ख) मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना

मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर और बीपीएल श्रेणी के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्कूल यूनिफॉर्म प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही ड्रेस की सिलाई के लिए 200 रुपये अलग से दिए जाएंगे। इस योजना का शुभारंभ 29 नवंबर 2022 को किया गया था। निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण से विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन एवं ठहराव की स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन होगा और ड्रॉपआउट में कमी आएगी। इस योजना से विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता एवं एकरूपता बढ़ेगी तथा अनुशासनात्मक परिवेश का विकास होगा। इस योजना के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों को निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरित करने की घोषणा की गई।

(ग) देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना

यह योजना राजस्थान के अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं तथा स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री परीक्षाओं में अधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने, उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने, उच्च अध्ययन के प्रति आकर्षित करने, उच्च शिक्षा के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराने तथा आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई।

(घ) स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना

मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती पर 20 अगस्त 2021 को राजस्थान के 200 मेधावी छात्रों को प्रतिवर्ष देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अध्ययन करने के लिए स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना प्रारंभ करने की घोषणा की गई। इस योजना की शुरुआत 6 अक्टूबर 2021 से की गई।

(ङ) कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना

डूंगरपुर जिले की कालीबाई भील ने शिक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उनके नाम पर संचालित कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना में मेधावी छात्राओं के लिए चल रही अन्य स्कूटी वितरण योजनाओं को एकीकृत किया गया है। राजस्थान के राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत सभी वर्गों—अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग, विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू वर्ग—की छात्राओं को कक्षा 12 में अधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने, उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने तथा उच्च अध्ययन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह योजना राज्य में संचालित की जा रही है।

(च) महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय योजना

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 100वीं जयंती के अवसर पर कक्षा 1 से 12 तक महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। राज्य के विद्यार्थियों को सरकारी विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यह योजना शुरू की गई, ताकि निजी विद्यालयों की भारी फीस के बोझ को कम करके समाज के कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम के सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इस योजना की शुरुआत जून 2019 में की गई। राज्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर एक-एक महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय स्थापित करने के निर्णय के तहत प्रारंभ में 33 विद्यालय खोले गए।

2- राजस्थान राज्य में शैक्षिक क्षेत्र में संचालित शैक्षिक योजनाओं की प्रासंगिकता

राजस्थान राज्य में शैक्षिक क्षेत्र में संचालित शैक्षिक योजनाओं की प्रासंगिकता का विश्लेषण निम्नलिखित है:

- शिक्षा तक समान और समावेशी पहुँच सुनिश्चित करना।
- विद्यालय छोड़ने (Dropout) की समस्या में कमी लाना।
- शिक्षकों के प्रशिक्षण और शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्रदान करना।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करना।

- आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- उच्च शिक्षा में प्रवेश और निरंतरता को बढ़ावा देना।
- बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्राओं के लिए विद्यालय एवं महाविद्यालय तक पहुँच आसान बनाना।
- महिला शिक्षा और सशक्तीकरण को बढ़ावा देना।

निष्कर्ष: निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि राजस्थान सरकार की शैक्षिक फ्लैगशिप योजनाएँ राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास की आधारशिला सिद्ध हो रही हैं। इन योजनाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने, सामाजिक असमानताओं को कम करने तथा विद्यार्थियों को आधुनिक युग के अनुरूप तैयार करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान समय में गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा की आवश्यकता को देखते हुए इन योजनाओं की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ रही है। यदि योजनाओं का प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, तो राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर सकता है।

संदर्भ सूची

- कुमार, चंचल. (2010). 21वीं सदी के संदर्भ में भारत में माध्यमिक शिक्षा: एक दृष्टि. पंजाब: सेंचुरी पब्लिकेशन।
- दुबे, रामजी. (2011). शिक्षा का अधिकार. दिल्ली: शक्ति पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।
- बी. जी. सिंह. (2014). भारत में शिक्षा का अधिकार एवं प्रारंभिक शिक्षा. इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन, पृ. 38।
- बी. के. पाल. (2016). लड़कियों की शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल. फ्रेंड्स डिजिटल कलर सोल्यूशन, नई दिल्ली, 19, पृ. 7–8।
- संजू. (2023). कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना। https://www.net.in.com
- हाफनर, सी. ए., और पुन, जे. (2020). विशेष अंक का परिचय: डिजिटल युग में शैक्षणिक और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी. आरईएलसी जर्नल, 51(1), 3–13।
- मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना https://rajasthancurrentaffairs.in/cm-free-uniform-scheme/
- देवनारायण स्कूटी वितरण योजना https://www.myscheme.gov.in/schemes/dsdais
- पन्नाधाय बाल गोपाल योजना https://jankalyan.rajasthan.gov.in
- जैन, पुनीत कुमार. (2023). समग्र शिक्षा। https://samagra.education.gov.in
- जनकल्याण योजना, राजस्थान।

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed /Refereed National Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-3, Issue-3, October-2024
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number Oct.-2024/24
Impact Factor (RPRI-4.73)

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

गजेन्द्र सिंह जोरावत एवं प्रो0 मीना सिरोला

for publication of research paper title

राजस्थान राज्य में शैक्षिक क्षेत्र में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं की प्रासंगिकता

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and

E-ISSN: 2583-438X, Volume-03, Issue-03, Month October, Year-2024.

Dr. Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com

INDEXED BY